तारीख हुक्म	हुक्म या कार्यवाही मय इनिशियल्स जज
02.05.25	पत्रावली पेश हुई। न्यायालय समय में अधिवक्ता वादी एवं वादीगण के नाम से अलग-अलग समय पर तीन चार आवाज दिलाई गई। कोई उप॰ नहीं। इससे स्पष्ट प्रतीत होता है कि अधिवक्ता वादी एवं वादीगण अपने वाद को लेकर गंभीर नहीं है। लिहाजा वादी का वाद 'अदम पैरवी' व 'अदम हाजिरी' में इसी स्तर पर खारिज़ किया जाता है। पत्रावली फैसल शुमार होकर दाखिल दफ्तर हो व नंबर से कम हो। 2/5/25 सहायक कलेक्टर (SDO), बाड़मेर